मेरे बचपन के दिन

पाठ का सार / प्रतिपाद्य

यह पाठ महादेवी वर्मा के बचपन के समय की यादों का रेखाचित्र उपस्थित करता है। महादेवी वर्मा ने इसमें साहित्यकार बनने की पीछे विद्यमान परिस्थितियों का उल्लेख किया है। इसके अतिरिक्त इसमें उन्होंने भारत की तत्कालीन स्थिति, लड़कियों के प्रति लोगों का व्यवहार, उनकी सोच, विद्यालय तथा छात्रावास का वर्णन तथा भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के बारे में बताया है।

महादेवी की चारित्रिक / स्वभावगत विशेषताएँ

- सरल
- विनम्र
- अंतर्मुखी
- मिलनसार
- प्रतिभावान
- अच्छी मित्र
- देश से प्रेम करने वाली
- लेखन के प्रति समर्पित

सुभद्रा कुमारी की चारित्रिक / स्वभावगत विशेषताएँ

- सरल
- विनम्र
- मिलनसार
- अच्छी मित्र
- वात्सल्य से पूर्ण
- अच्छी सहयोगी
- लेखन के प्रति समर्पित

पाठ का उद्देश्य

- यह पाठ हमें तत्कालीन देश के दर्शन करवाता है।
- यह पाठ हमें उस समय के भारत में स्त्रियों की दशा का वर्णन करवाता है।
- यह पाठ हमें भारत में विद्यमान अनेकता में एकता के दर्शन करवाता है।

पाठ से मिलने वाली शिक्षाएँ / संदेश / प्रेरणा

- यह पाठ शिक्षा देता है कि हमें अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए कार्य करते रहने चाहिए।
- यह पाठ हमें शिक्षा देता है कि हमें धर्म, जाति, रंग, लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं करना चाहिए।